UNIVERSITY NEWS 26 NOVEMBER 2025

AMAR UJALA

विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस पर पूर्व छात्र के रूप में मुख्य अतिथि बने हैं मंत्री सुरेश खन्ना ने की अपील

लखनऊ। विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस पर पूर्व छात्र के रूप में मुख्य अतिथि बने हैं मंत्री सुरेश खन्ना ने की अपील

HINDUSTAN

लखनऊ विश्वविद्यालय में 105वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया, एलुमनाई मीट में हुए पूर्व छात्र

एलयू में स्थापना दिवस पर पूर्व छात्र सम्मानित

आयोजन

लखनऊ, महानगर। लखनऊ विश्वविद्यालय में 105वां स्थापना दिवस समारोह और एलुमनाई मीट का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मंत्री सुरेश खन्ना ने अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि यहां के शिक्षकों ने न केवल पढ़ाया बल्कि जीवन के मूल्य भी सिखाए हैं। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में समाज के लिए कुछ सकारात्मक योगदान दें। कार्यक्रम में पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने उन्हें अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाया। कुलपति प्रो. [illegible] ने विश्वविद्यालय के विकास और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में शोध, नवाचार और छात्र कल्याण के कई नए प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व छात्र, शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे। एलुमनाई मीट के दौरान पुराने दोस्तों ने एक-दूसरे से मुलाकात की और पुरानी यादें साझा कीं।

एक पन्ना के लोकल से जानने वाले...

राजनीति मुक्त समाज सेवा का दीप : खन्ना

पूर्व छात्र बोले: यहां जीवन जीने का ढंग सीखा

DAINIK JAGRAN

समाज सेवा के लिए राजनीति में आएं अच्छे लोग : वित्तमंत्री

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस समारोह पूर्व छात्रों के नाम रहा। गोमतीनगर की गुलाबी चर्चों में बसे लखनऊ में पूर्व छात्र रहे सुप्रसिद्ध अतिथि वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अपनी पुरानी यादों के साथ पुराने साथियों को याद किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने उन्हें अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाया। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में समाज के लिए कुछ सकारात्मक योगदान दें। कार्यक्रम में पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने उन्हें आत्मविश्वास, संवाद और टीमवर्क का महत्व सिखाया। कुलपति प्रो. [illegible] ने विश्वविद्यालय के भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में शोध, नवाचार और छात्र कल्याण के कई नए प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व छात्र, शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे। एलुमनाई मीट के दौरान पुराने दोस्तों ने एक-दूसरे से मुलाकात की और पुरानी यादें साझा कीं।

...जब तीन साल के लिए छात्रावास से बाहर किए गए थे सुरेश खन्ना

DAINIK JAGRAN

126 केंद्रों पर पीजी, आठ पर बीएजेएमसी की परीक्षाएं

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को परास्नातक सहित अन्य कोर्सों के विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी है। परास्नातक की परीक्षाएं करीब 126 और बीएजेएमसी की परीक्षाएं आठ केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी। इसकी सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lko univ.ac.in पर अपलोड की गई है। विद्यार्थी अपना आवंटित परीक्षा केंद्र देख सकते हैं।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी सूची के अनुसार परास्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए लखनऊ में 34, हरदोई 29, रायबरेली 18, सीतापुर 23 और लखीमपुर खीरी में 22 केंद्र बनाए गए हैं। वहीं, निगरानी के लिए 22 नोडल केंद्र भी तय किए गए हैं। इसी तरह, बीएजेएमसी परीक्षाओं के लिए बनाए गए आठ केंद्रों पर 11 कालेजों के विद्यार्थी आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा बीबीए और बीसीए विषम सेमेस्टर परीक्षा के लिए 23 केंद्र और छह नोडल केंद्र बनाए गए हैं।

14 पाठ्यक्रमों में विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की समय सारिणी जारी

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को 14 पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की समय सारिणी जारी की है। इसमें एमए/एम.एससी सांख्यिकी और बायोस्टैटिस्टिक्स तीसरे सेमेस्टर की 11 से 19 दिसंबर, एम.ए साइकोलाजी तीसरे सेमेस्टर की नौ से 15 दिसंबर, एम.ए फिलासफी तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं नौ से 17 दिसंबर तक होंगी। इसी तरह एम.ए/एम.एससी एंथ्रोपोलाजी और फारेंसिक साइंस तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 से 19, बी.एड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से 22 दिसंबर, बी.वाक साफ्टवेयर डेवलपमेंट तीसरे सेमेस्टर की आठ से 17, पांचवें सेमेस्टर की नौ से 18 दिसंबर, एम.ए सोशियोलाजी तीसरे सेमेस्टर की नौ से 17 दिसंबर, शास्त्री तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा नौ से 19 दिसंबर, एम.ए एजुकेशन न्यू कोर्स की परीक्षाएं नौ से 17 दिसंबर तक होंगी। इसी तरह, बीपीएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं पांच से 12 दिसंबर और एमपीएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं छह से से 15 दिसंबर तक होंगी। मास्टर आफ हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं नौ से 17 दिसंबर और एम.काम अलाइड इकोनामिक्स तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं छह से 19 दिसंबर तक संचालित की जाएंगी।

I NEXT

कदम चूम लेती है खुद आके मंजिल मुसाफिर अगर तू हिम्मत ना हारे...

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने मनाया के साथ मनाया गया स्थापना दिवस समारोह

एग्जाम की समय सारिणी जारी हुई

LUCKNOW: एलयू ने मंगलवार को 10 पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की समय सारिणी जारी की है। इसमें एमए,एम.एससी सांख्यिकी और बायोस्टैटिस्टिक्स तीसरे सेमेस्टर की 11 से 19 दिसंबर, एमए साइकोलाजी तीसरे सेमेस्टर की नौ से 15 दिसंबर, एमए फिलासफी तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं नौ से 17 दिसंबर तक होंगी. इसी तरह एमए/ एमएससी एंथ्रोपोलाजी और फारेंसिक साइंस तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 से 19, बीएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से 22 दिसंबर, बी.वाक साफ्टवेयर डेवलपमेंट तीसरे सेमेस्टर की आठ से 17, पांचवें सेमेस्टर की नौ से 18 दिसंबर, एम.ए सोशियोलाजी तीसरे सेमेस्टर की नौ से 17 दिसंबर से होंगी.

TIMES OF INDIA

परास्नातक तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा नौ से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक तीसरे सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम बुधवार को जारी कर दिया। परीक्षाएं नौ दिसंबर से शुरू होंगी। प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा 19 दिसंबर तक चलेंगी। (संवाद)

HINDUSTAN

एलयू में विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की शुरुआत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की शुरुआत मंगलवार से हो गई। पहले दिन बुनियादी डी. मधुसूदन कन्नन ने परीक्षा निरीक्षण किया। विद्यार्थियों के साथ मुख्य परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के साथ मुख्य परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने एलयू से संबद्ध करीब 126 केंद्रों पर परीक्षाओं प्रारंभ हुए, अनुसूचित की संख्या मात्र 13 रही। कुल 1689 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, अनुपस्थित की संख्या मात्र 13 रही।

एलयू में युवाओं के लिए करियर बनाने का मौका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक विद्यार्थियों के साथ करियर बनाने का सुनहरा मौका है। विधि, हाइक एजुकेशन और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड की ओर से परोक्षेट्र द्वारा का आयोजन किया जाएगा। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के परिसरा इलाहाबाद में, दिनांक 27 नवंबर से प्रातः 10 बजे से आयोजित की गई है।

VOICE OF LUCKNOW

AMAR UJALA

विप्रो, हाइक और आकाश कंपनी में रोजगार के अवसर

लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मिलेगा तीन से नौ लाख रुपये तक का सालाना पैकेज

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को विप्रो, हाइक एजुकेशन और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड जैसी कंपनियों में रोजगार का अवसर मिलेगा। ये कंपनियां पूर्व 2026 बैच के विद्यार्थियों के लिए प्लेसेट ड्राइव आयोजित करेंगी। चयनितों को सालाना तीन से नौ लाख रुपये तक का पैकेज मिलेगा।

विश्वविद्यालय सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय के अनुसार विप्रो एप्लाइड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में बीसीए, बीबीए, बीकॉम, बीए, बीएससी और बीएससी के छात्र करदाया सर्विस प्रिवेंटिटेव पद पर 3.8 लाख रुपये सालाना पैकेज के लिए लिंक https://forms.gle/pnMSNEwQBtdvf Kwd9 पर आवेदन कर सकते हैं।

हाइक एजुकेशन कंपनी में बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर के पद के लिए बीटेक, एमबीए या एमसीए व बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव पद के लिए आवेदन लिए जाएंगे। बीबीए, बीकॉम और बीसीए के छात्र आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड जैसी कंपनियों में रोजगार का अवसर मिलेगा। ये कंपनियां पूर्व 2026 बैच के विद्यार्थियों के लिए प्लेसेट ड्राइव आयोजित करेंगी। चयनितों को सालाना तीन से नौ लाख रुपये तक का पैकेज मिलेगा।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड की ओर से फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथमेटिक्स के असिस्टेंट लेक्चरर पद के लिए बीटेक, एमएससी, बीटेनी व जूलॉजी में एमएससी डिग्रीधारक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए लिंक https://forms.gle/B2bqheMNq bzTDt936 पर आवेदन करना होगा। चयनितों को 7.25 लाख से नौ लाख रुपये सालाना वेतनमान के साथ तीन लाख रुपये का रिटेंशन बोनस भी मिलेगा। सभी पदों पर आवेदन की अंतिम तिथि 29 नवंबर है।

TIMES OF INDIA

लविवि स्थापना दिवस : राजनीति में छात्रों को आगे आना चाहिए : सुरेश खन्ना

धूमधाम से लविवि ने मनाया स्थापना दिवस, पूर्वछात्रों ने यादें ताजा कीं और अपने अनुभव किये साझा

लविवि के वार्षिक कैलेंडर का किया गया अनावरण

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का 105वां स्थापना दिवस, पूर्व छात्र मिलने-जुलने (एलुमनी मीट) के साथ मंगलवार को भालवीय हॉल में बड़े सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने की, जबकि कैबिनेट मुख्य अतिथि वित्त मंत्री सुरेश खन्ना उपस्थित रहे। वार्षिक कैलेंडर व्यायिकोश आईपीबी-2026 के विमोचन प्रो. मनुका श्रीवास्तव और आईपीबीआर की चार किताबों का विमोचन किया गया। इसके अलावा कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने पूर्व छात्रों द्वारा वार्षिक कैलेंडर का अनावरण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुरेश खन्ना को उनका एक चित्र (पेंटेंट) भेंट किया गया। उन्होंने विरासत से अवहर किया कि कार्यक्रम महत्वपूर्ण होते हैं। मंत्री ने कहा कि पुराने दिनों में लौटना एक सुखद अनुभव है। उन्होंने कहा कि उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति उसे स्पष्ट रूप से समझ सके। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की 105 वर्षीय विरासत को प्रेरित और देश के लिए प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि राजनीति मुक्त समाज सेवा को बेहतरी और उत्कृष्ट अध्यापन व नवीन रिसर्च चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभिक सत्र में प्रो. डेविड ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का विहंगम, किंतु प्रभावशाली विवरण प्रस्तुत किया। साथ ही भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ।

लविवि ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित की: प्रो. मनुका खन्ना: अपने संबोधन में कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम यह सभी के लिए वर्ष का क्षण है कि सुरेश खन्ना, जो लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी हैं, इस अवसर पर उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना का उत्सव मनाना है और यह दिखाना है कि इस विश्वविद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित की है। विश्वविद्यालय ने अपने 105 वर्षों की यात्रा में अनेकों स्थापितों और उत्कर्षध्वजा फहराई हैं। हम सभी इस 105 वर्ष की विरासत का हिस्सा हैं और यह साझा भावनाएं हमें एक सूत्र में बांधती हैं इसे सदैव बनाए रखना चाहिए।

ये विभूतियां हुई सम्मानित: इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। एलुमनाइ के पदाधिकारियों, प्रशासनिक सेवाओं, पुलिस सेवाओं व प्रत्येक अधिक चार्टरियल और प्रशस्ति-पत्रयुक्त ठाम अवसर पर आठ विभूतियों को सम्मानित किया गया जिसमें आईपीएस लक्ष्मी सिंह, खोबीटीटी के सदस्य प्रमोध सेठ, न्यायमूर्ति मनीष कुमार, हाईकोर्ट प्रधानाज, पूर्व विभागाध्यक्ष जी.डी.ओ. पूर्व प्रसार टीसिप, पूर्वविभागाध्यक्ष जाकोकेमिस्ट्री प्रो. जोशी सनकल, वरिष्ठ अभिनेता और चैलेंजिंग डॉ. अनिल रस्तोगी, वेस्ट पावर अधिशेलसिंह और नागरण सेवा संस्थान के संस्थापक प्रभुकुवा श्रीवलव्यवर्धनरे।

पिता की स्मृति एक लाख स्कॉलरशिप और ट्रॉफी देगी लक्ष्मीसिंह: आईपीएस लक्ष्मी सिंह ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय न केवलशैक्षणिक उत्कृष्टता देता है, बल्कि छात्रों को स्ट्रीट स्मार्ट बनाकर जीवन जीने की कला भी सिखाता है। उसने कहा कि भारतीय वैश्विक स्तर पर सफलता प्राप्त करने में सक्षम हैं और चाहे से ही अनेक भारतीय विश्व-परिदृश्य में अपनी छाप छोड़ चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा किया कि 1995 में उनके स्नातक काल में एजाई, गुगल, फेटनीफोटो नहीं थे, जिससे उनकी पीढ़ी को स्मरण शक्ति सबसे तेज थी। अपने माता-पिता को याद करते हुए कह भावुक हो गईं और अपने पिता इंदेव सिंह की स्मृति में 1,00,000 स्कॉलरशिप और ट्रॉफी के वार्षिक पुरस्कार की घोषणा की।

सुरेश खन्ना ने अपने हॉस्टल का किया दौरा: 105वें स्थापना दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंचे वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अपने छात्र जीवन की यादें ताजा कीं। समारोह में शामिल होने के बाद उन्होंने पंटनेशेखर आवाट हॉस्टल के कमरे का दौरा किया, जहां उन्होंने अपने कॉलेज दिनों को बेहद भावुक होकर याद किया।

DAINIK JAGRAN

संवाद, सृजन और साहित्य का साक्षी बना लविवि स्थापना दिवस

लखनऊ विश्वविद्यालय का 105वां स्थापना दिवस मनाया गया, विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों को किया गया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय का 105वां स्थापना दिवस भव्यतापूर्ण देर शाम आयोजित किया गया। अवसर पर पूर्व छात्रों का मिलन कार्यक्रम हुआ और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। अवसर के दिन मंत्री सुरेश खन्ना मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक संध्या से हुई जिसमें दर्शकों को भरपूर्ण कर दिया। शास्त्रीय, लोक और समकालीन प्रस्तुतियों ने पाठ्यक्रम गतिमान की रंगीन बना दिया। प्रारम्भ में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, प्रशासनिक सैधानिक महत्ति, शोध यात्रों और गवाचार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया।

विशिष्ट पूर्व छात्रों को सम्मानित: लेखक व सांस्कृतिक अध्येता श्री सुरेश खन्ना ने आयोजित जताते हुए कहा कि यहां मंच दिनों प्रस्तुतों हैं, इसलिए हिंदी में बोलने। इस मौके पर उन्हें उनका एक चित्र (पेंटेंट) भेंट कर किया गया।

विश्वविद्यालय प्रकाशन का विमोचन: कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने आईपीबी का स्थापना करते हुए कहा कि यह मंच का के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने कहा की यहां में अनेक उपलब्धियां ने न सिर्फ विश्वविद्यालय परिसर का गौरव बढ़ाया है बल्कि समाज में भी एक विशिष्ट स्थान बनाया है। वार्षिक कैलेंडर का विमोचन भी इस अवसर पर विश्वविद्यालय के किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में 105 वे स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच पर मौजूद अतिथि

AMRIT VICHAR

लविवि में आयोजित होगा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए विप्रो, हाइक एजुकेशन और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जा रही है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बीसीए, बीबीए, बीकॉम, बीए, बीएससी तथा बीएससी के छात्र करदाया सर्विस प्रिवेंटिटेव पद पर 3.08 लाख रुपये वार्षिक पैकेज हेतु आवेदन कर सकते हैं। जिसकी चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टॉक, एप्टाइट स्क्रीनिंग तथा वॉयस एवं एक्सेंट राउंड शामिल हैं।

इसी क्रम में हाइक एजुकेशन कंपनी द्वारा बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर पद के लिए बीटेक, एमबीए या एमसीए तथा बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव पद के लिए बीबीए, बीकॉम और बीसीए के वर्ष 2026 में उत्तीर्ण होने वाले छात्र अधिकतम 7.02 लाख रुपये वार्षिक पैकेज हेतु पर आवेदन कर सकते हैं। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा अडिटर लेक्चरर पद के लिए, सिविलास, केमिस्ट्री एवं मैथमेटिक्स विषयों में बी.टेक, एमएससी तथा बॉटनी एवं जूलॉजी विषयों में एमएससी डिग्रीधारक 6.0 सीजीपीए या उससे अधिक वाले छात्र आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में 90 मिनट का ऑनलाइन ऑब्जेक्टिव टेस्ट, डेमो लेक्चर, सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट राउंड और एचआर इंटरव्यू शामिल होंगे, जबकि चयनित अभ्यर्थियों को 7.25 लाख से 9 लाख रुपये वार्षिक वेतनमान के साथ 3 लाख रुपये का रिटेंशन बोनस तथा देश के विभिन्न राज्यों में नियुक्ति प्रदान की जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस पर रोशनी से जगमगाता विश्वविद्यालय भवन।

HINDUSTAN TIMES

Alumni walk down memory lane on foundation day of LU

Mohita.Tewari
@timesofindia.com

Lucknow: From reminiscing about corridors and classrooms to recalling favourite hangout spots, former students of Lucknow University shared their enduring memories during the institution's 105th foundation day celebration on Tuesday.

The event highlighted the timeless bond between students, teachers, and the campus.

Nine distinguished alumni, who have excelled in their respective fields, were honoured by the university authori-

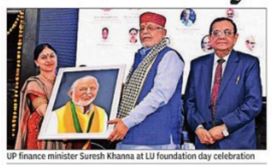

UP finance minister Suresh Khanna at LU foundation day celebration

Dev Singh. IRS officer Prabodh Seth, who completed his post-graduation in Economics from LU in 1984-86, expressed deep emotion upon returning to the university after 39 years.

"My father, despite an offer from IIM Ahmedabad, chose to serve at LU, and his experiences during his 40-year tenure fostered my strong emotional bond with the institution," he shared.

Justice Manish Kumar of the High Court, Prayagraj, an LU BA graduate, fondly remembered his teachers and emphasized the importance of one's company and surroundings during student life.

Prof Surya Prasad, former head of LU's Hindi department, who completed his BA, MA, and PhD from LU between 1958 and 1964, shared that despite serving 12.5 years as a regular professor, he never felels retired. Former head of Biochemistry and LU alumnus GG Sanwal, despite his advanced age, delivered an emotional address, recalling his 40 years of service and the significant role teachers played in preserving the university's prestige. Actor and scientist Anil Rastogi, an LU student from 1958-1962, expressed that the Foundation Day honor was particularly special. He delighted the audience with a recitation, showcasing his acting prowess.

Senior journalist Akhilesh Singh, an LU LLB graduate of 1995, was recognized for his notable career in political and governance reporting. Prabhu Nath Srivastava, an LLB graduate (1983) and founder of Narayan Seva Sansthan, praised LU, its teachers, and students for their greatness.

Int'l student sings Hindi film songs

LU's foundation day celebration was infused with international colors as

international students like Bryan from Kenya performed an English song with a guitar, Anna from Poland sang the Hindi song "Phir Bhi Dil Hai Hindustani," and Dinuka from Sri Lanka performed a native dance. Indian students showcased dances from various states, including Kathak and Rajasthani folk.

ties. Among the honorees was IPS officer Lakshmi Singh, a 1993 B.Tech (Mechanical Engineering) graduate, who praised LU for imparting not only academic excellence but also life skills.

"I thank LU teachers. In an era when AI, Google, and ChatGPT did not exist, our teachers helped us develop the 'sharpest memory,' something I am proud of," said Lakshmi, who completed her B.Tech when the Institute of Engineering and Technology was part of LU.

She announced a cash award Rs 1 lakh and a trophy in memory of her father, Indra

PIONEER

UP minister visits his former hostel room, turns nostalgic

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Chief guest finance minister Suresh Khanna, in his address, lauded the university's 105-year legacy as a source of pride and inspiration. He encouraged students to view politics as a meaningful career path and emphasized the importance of family support in this pursuit. Reflecting on his student days, he shared how he supported peers from different cities by offering them space in his hostel room. Khanna highlighted the role of good faith and academic excellence in shaping character, which becomes a lifelong asset. He stressed the importance of foundational values formed at home and the necessity of passion and determination for success.

Reciting Dushyant Kumar's famous lines, he emphasized the depth and teachings of the Bhagavad Gita, urging students to read it. He acknowledged the alumni, especially Prabhunath ji, for promoting the Gita's teachings. Khanna concluded by emphasizing the importance of merit, choosing the right path, and helping others.

He quoted Albert Einstein on the importance of giving back and fondly recalled his college years during a visit to his former hostel room.

AMRIT VICHAR

LUs 105-year legacy a source of pride: Khanna

PIONEER NEWS SERVICE
Lucknow

Uttar Pradesh's Finance Minister Suresh Khanna said here on Tuesday that Lucknow University's 105-year legacy was a source of pride and inspiration for the state and the nation.

He was speaking at the Foundation Day celebrations of Lucknow University at the Malviya Hall.

Khanna, in his address, said that politics was essentially a field of social service and should be actively pursued by students.

He urged the young learners to view it as a meaningful career path and emphasised that families should also encourage their children to enter this profession.

Recalling his student days, Khanna shared how he used to support students coming from different cities by offering them space to stay in his hostel room.

He remarked that good

faith and excellence in studies shape one's character and this character becomes a lifelong asset.

He further emphasised that home is the first place of education, where foundational values are formed.

Junoon (passion) and determination, he said, were essential for achieving success.

He said that no song could match the depth and teachings of the Bhagavad Gita. He noted that even after being Indian, not reading the Gita is unfortunate.

Referring to a shlok from Gita, he explained that the verse beautifully outlines the five essential factors required for the completion of any action. He elaborated, "First, there is the body, the place where action begins. Then comes the doer, the one who takes initiative. The third is the set of instruments or tools we use. The fourth is the variety of efforts we put in. And finally, there is the role of divine grace. These five together make any action possible."

He also mentioned that Gandhi's Gita is simple and accessible for all readers. He acknowledged all the alumni guests, especially Prabhunath, for encouraging students to read the Gita.

He admitted that Lucknow University has played a major role in shaping careers, which is why they stand where they are today.

He emphasised that merit is important in one's life to become a role model, and choosing the right path is essential. While family plays a crucial role, he advised staying away from ego.

He stressed the importance of helping others and, quoting Albert Einstein, said that one must always give back in return for whatever one has achieved.

HINDUSTAN TIMES

LU marks 105 years with alumni meet

Dignitaries at the 105th Foundation Day of Lucknow University.

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Lucknow University marked its 105th Foundation Day on Tuesday with an alumni gathering at Malviya Hall, bringing former students together in a setting filled with memories of earlier times.

The event was chaired by vice-chancellor Prof Manuka Khanna, while UP finance minister Suresh Khanna attended as the chief guest.

Cultural performances by the university's cultural unit "Sanskritiki" added colour to the evening. The lineup featured "Bharatanatyam", a poetry recital of Ramdhari Singh Dinkar's lines, Ardhang (Shiv Stuti). Anna from Poland presented "Phir Bhi Dil Hai Hindustani", followed by a traditional dance by Dinuka from Sri Lanka.

Addressing the gathering, vice-chancellor Prof Manuka Khanna said the day honoured the university's foundation and reflected how its students have earned recognition in various fields across the country and abroad. She said the institution's 105-year journey carries a shared sense of belonging that should continue to be preserved.

"The university has completed 105 years and has also made several accomplishments. We also feel a part of this 105-year legacy, enriched by all these shared experiences. This unity should always be preserved," said Khanna in his address. He said the university's legacy continues to inspire the state and the country.

Khanna added that politics should be seen as a field of social service and encouraged students to consider it as a career option, adding that families should also support such aspirations.